

पद्म पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

बिहार से सात लोगों को प्रतिष्ठित **पद्म पुरस्कारों** के लिये चयनित किया गया, जिनमें प्रख्यात गायिका शारदा सनिहा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी और प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता आचार्य कशोर कुशल शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- **विजेताओं की घोषणा:**
 - केंद्र सरकार ने **गणतंत्र दिवस** की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की।
 - देश भर से कुल **139** लोगों को विभिन्न श्रेणियों में **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों** के लिये चुना गया।
- **पद्म विभूषण पुरस्कार:**
 - 'बिहार कोकिला' के नाम से प्रसिद्ध गायिका **शारदा सनिहा** को उनकी असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये मरणोपरांत सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **पद्म विभूषण** से सम्मानित किया जाएगा।
- **पद्म भूषण पुरस्कार:**
 - बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री **सुशील कुमार मोदी** को सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में मरणोपरांत पद्म भूषण के लिये चुना गया है।
 - देशभर में पद्म भूषण पाने वाले 19 लोगों में वे बिहार से एकमात्र व्यक्ति हैं।
- **पद्म श्री पुरस्कार:**
 - प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और महावीर संस्थान के संस्थापक **कशोर कुशल** को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
 - बिहार से पद्मश्री प्राप्त करने वाले अन्य लोगों में शामिल हैं:
 - सामाजिक कार्य में **भीम सहि भावेश**,
 - हेमंत कुमार को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिये,
 - कला क्षेत्र में योगदान के लिये **नरिमला देवी**,
 - आध्यात्म में **वज्रिय नित्यानंद सूरशिवर जी महाराज**।

नागरिक एवं वीरता पुरस्कार (Civilian and Gallantry Awards)

नागरिक पुरस्कार

भारत रत्न:

- भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार; वर्ष 1954 में स्थापित
- मानव सेवा के किसी भी क्षेत्र में असाधारण सेवा/उच्चतम क्रम के प्रदर्शन हेतु सम्मानित
- इस पुरस्कार में प्रमाण-पत्र और पदक शामिल हैं
(कोई मौद्रिक अनुदान नहीं)
- प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को अनुमति
- एक वर्ष में अधिकतम तीन व्यक्तियों को ही दिया जा सकता है



पद्म पुरस्कार:

- वर्ष 1954 में स्थापित; घोषणा- प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर
- सार्वजनिक सेवा से जुड़े सभी क्षेत्रों/विषयों में उपलब्धियों को मान्यता दी जाती है
- श्रेणियाँ: पद्म विभूषण > पद्म भूषण > पद्म श्री
- पद्म पुरस्कार समिति (प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्येक वर्ष गठित) द्वारा अनुमति
- दो बार निलंबित - वर्ष 1978-79 और वर्ष 1993-97
- एक वर्ष में पुरस्कारों की अधिकतम संख्या - 120



वीरता पुरस्कार

- युद्धकालीन वीरता पुरस्कार की स्थापना 26 जनवरी, 1950 को हुई
- शांतिकालीन वीरता की स्थापना 4 जनवरी, 1952 को की गई
- घोषणा वर्ष में दो बार - गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस
- वरीयता क्रम - परमवीर चक्र > अशोक चक्र > महावीर चक्र > कीर्ति चक्र > वीर चक्र > शौर्य चक्र

ध्यान:

- पात्रता- सभी देशों के सभी अधिकारी (सेना, नौसेना, भारतीय वायुसेना), टिजर बल, प्रादेशिक सेना
- उपरोक्त किसी भी बल के अंतर्गत तसिंग सेवाएँ प्रदान करने वाले व्यक्ति

युद्धकालीन वीरता पुरस्कार



शांतिकालीन वीरता पुरस्कार

